मिसाल-बेमिसाल

सहकारिता की पहचान बनता जा रहा है मेवाड़ जलधारा मिनरल वॉटर

उदयपुर क्रय-विक्रय सहकारी समिति ने मेवाड़ जलधारा ब्रॉण्ड से क्षेत्र में मिनरल वाटर उपलब्ध कराने की पहल की है। सहकारी संस्थाओं के कार्यों में विविधिकरण और नवाचार पर लंबे समय से दिए जा रहे बल का परिणाम है कि उदयपुर क्रय-विक्रय सहकारी समिति ने समय की मांग को पहचाना है और नवाचार के क्षेत्र में पहल की है। संस्था का जहां नए कारोबार की संभावनाओं की तलाश का प्रयास रहा है वहीं आमनागरिकों को सहकारी संस्था के माध्यम से शुद्ध गुणवत्तायुक्त मिनरल वॉटर प्रतिस्पर्धात्मक दर पर उपलब्ध कराना रहा है।

मिनरल वॉटर की बढ़ती मांग को देखते हुए उदयपुर क्रय-विक्रय सहकारी समिति ने स्वयं की भूमि पर मिनरल वॉटर प्लांट लगाने की पहल की है। हांलाकि यह काम समिति द्वारा छोटे स्तर पर ही शुरु किया गया है पर समिति की पहल का परिणाम है कि आज उदयपुर में मेवाड़ जलधारा की पहचान बनने लगी है। इस समय समिति द्वारा प्रतिदिन करीब 400 जार मिनरल वॉटर का वितरण किया जा रहा है। यह जार 20 लीटर क्षमता के है। मेवाड़ जलधारा ब्रॉण्ड आज उदयपुर में सहकारी क्षेत्र की पहचान बनता जा रहा है।

प्लांट की स्थापना

उदयपुर शहर में करीब 200 वॉटर मिनरल प्लांट निजी क्षेत्र में काम कर रहे हैं। ऐसे में वॉटर मिनरल की मांग का आंकलन करते हुए सहकारी क्षेत्र में आरंभ में छोटे स्तर पर ही सही पर वॉटर मिनरल प्लांट लगाने का साहसिक निर्णय किया गया। उदयपुर क्रय-विक्रय सहकारी समिति ने उदयपुर में मिनरल वॉटर की मांग को देखते हुए प्लांट लगाने का निर्णय किया। इसके साथ ही राज्य सरकार के नई सहकारी समितियों के गठन से उदयपुर शहर व गिर्वा पंचायत समिति तक ही कार्यक्षेत्र होने से नया काम शुरु करने की आवश्यकता महसूस की गई है। समिति प्रबंधन की सराहना की जानी चाहिए कि कार्यक्षेत्र के आम नागरिकों को नई व बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने की पहल की। इसके साथ ही समिति के संस्थापकीय खर्चों की तुलना में आय के साधन विकसित करने पर जोर दिया गया। इसी सोच से आगे बढ़ते हुए केवल 14 लाख 86 हजार रुपए की लागत से वॉटर मिनरल प्लांट की स्थापना की गई। इसमें भी प्लांट की स्थापना पर 9 लाख 93 हजार रुपए की लागत आई और 4 लाख 43 हजार रुपए में 1100 नग जार, 200 रिंग और 15000 केप पर खर्च आया। बोरिंग पर 50 हजार रुपए की लागत आई।

प्रतिदिन चार सौ जार मिनरल वॉटर का वितरण

उदयपुर में व्यावसायिक प्रतिष्ठनों, सरकारी गैरसरकारी कार्यालयों, औद्योगिक प्रतिष्ठनों, बैंकों व अन्य स्थानों पर मिनरल वॉटर की मांग रहती है। इसके अलावा शादी-विवाह, उत्सवों, समारोहों में मिनरल वॉटर की मांग आम है। उदयपुर क्रय-विक्रय सहकारी समिति ने केवल 20 रुपए प्रति जार की दर पर 20 लीटर का जॉर उपलब्ध कराना शुरु किया है। 90 से 100 जार प्रतिदिन की मांग

बढ़कर इस समय औसतन प्रतिदिन 400 जार की सप्लाई हो रही है। इससे सारे खर्चे निकालने के बाद 15 से 20 हजार रुपए तक का लाभ प्राप्त हो जाता है।

उदयपुर क्रय-विक्रय सहकारी समिति के इस नवाचार का श्रेय समिति प्रबंधन व समिति के व्यवस्थापक श्री जयन्ति लाल पारिख को जाता है। उदयपुर के अतिरिक्त रजिस्ट्रार कार्यवाहक श्री लोकेश गांधी ने बताया कि मिनरल वॉटर की सप्लाई की तुलना में मांग को देखते हुए इसके विस्तार की संभावना है। उन्होंने बताया कि उदयपुरवासियों द्वारा समिति की इस पहल को सराहा जा रहा है। उदयपुर क्रय-विक्रय सहकारी समिति को एक लीटर के पैक में भी मिनरल वॉटर वॉटल वितरण की संभावना को तलाशना चाहिए। उदयपुर के जिला प्रभारी तकनीकी सहायक रजिस्ट्रार श्री पंकज अग्रवाल ने प्लांट का अवलोकन करने के बाद बुलेटिन को बताया कि समिति की पहल निश्चित रुप से सराहनीय है।

प्रदेश की अन्य सहकारी समितियों को भी कार्यों में विविधिकरण और सदस्यों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए तत्पर रहना चाहिए और नवाचार कार्यक्रमों को अपनाना चाहिए। उदयपुर क्रय-विक्रय सहकारी समिति की पहल सराहनीय है।